



वर्ष-01  
अंक-07  
अप्रैल 2018

तरंग

PURSUIT OF EXCELLENCE



कमान्डेंट की कलम से.....

प्रिय साथियों, विगत अंक में हमने एक प्रतियोगिता प्रारम्भ की थी जिसके सही उत्तर हमें प्राप्त हुये हैं। सही उत्तर भेजने वाले कार्मिकों के नाम इस अंक में प्रकाशित किये जा रहे हैं तथा प्रशस्ति पत्र भी भेजा जा रहा है। आपके सुझाव हमें निरन्तर मिल रहे हैं और प्रत्येक अंक में प्रयास किया जाता है कि उन पर अमल किया जाये।

*Handwritten signature*

### संस्करण समिति

संरक्षक व संपादक : श्री विशाल कन्डवाल, कमान्डेंट  
सलाहकार मंडल

- श्री गोपाल सिंह, उप कमा.
- श्री चन्द्रशेखर शर्मा, सहा.कमा.
- श्री वरिन्दर पाल सिंह, सहा.कमा.
- श्री प्रमोद कुमार जोशी, सहा.कमा.
- श्री बेनू बाबू एस., सहा.कमा.
- सह-संपादन व सकलन
- श्री बी. एस.यादव, सहा.कमा.
- निरी./तक. अशोक कुमार चौहान

इस अंक में

1. फोटो गैलरी
2. तकनीकी लेख
- 3 सूचना प्रौद्योगिकी
4. सामाजिक
5. विविध

### 5 बेतार वाहिनी

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल चन्डीगढ़  
दूरभाष : 0172-2658918

ई-मेल [hq5sigbn@crpf.gov.in](mailto:hq5sigbn@crpf.gov.in)

\*\* अंक में प्रकाशित लेख, लेखकों की अपनी निजी राय है वाहिनी की नीति से इसका कोई संबंध नहीं है।

# फोटो गैलरी

## पुलिस महानिरीक्षक (दू.सं व सू.प्रौ.) द्वारा निरीक्षण



R & D विंग



नियंत्रण कक्ष



प्रवेश लॉबी



तकनीकी स्टोर



वी एच एफ लैब



कार्यालय परिसर



बेस वर्कशॉप



अधीनस्थ अधिकारी भोजनालय

# शौर्य दिवस-2018



क्वार्टर गार्ड



क्वार्टर गार्ड



पदक विजेताओं को सम्मानित करते श्री सतपाल कपूर, पु.म.नि.



खेल प्रतियोगिता



सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ करते श्री विशाल कन्डवाल, कमान्डेंट



राष्ट्रीय बहादुरी पुरस्कार विजेता को सम्मानित करते पु.म.नि.



शौर्य दिवस-2018 पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या की झलक



5 सिगनल बटालियन का दौरा करते श्री वी.एस.के. कौमुदी,अपर पुलिस महानिदेशक (जम्मू व कश्मीर अंचल)



अधीनस्थ अधिकारी भोजनालय



अन्य पद भोजनालय



अंतर सिगनल वाहिनी टेबिल-टेनिस प्रतियोगिता की झलकियां



## Pen Drive पैन ड्राइव को वायरस से कैसे बचायें ?

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि आजकल वायरस सभी की एक मुख्य समस्या बन चुका है चाहे आप कम्प्यूटर, लैपटॉप इस्तेमाल करें या फिर मोबाइल फोन । आज हम जानेंगे कि पैन ड्राइव को वायरस से कैसे बचायें ?



**परिभाषा:-** पैन ड्राइव एक सेमी कन्डक्टर मैमोरी है जिसे **Flash memory** भी कहा जाता है। यह आजकल भिन्न-भिन्न **capacity** की बाजार से सुगमता से उपलब्ध हो जाती है। यदि देखा जाये तो डाटा स्टोर करने को सबसे सस्ता साधन है जो लम्बे समय तक डाटा को सुरक्षित रखती है।

### मिथक:- Myth

आजकल हम में से अधिकांश लोग जब भी किसी डिवाइस को उपयोग करते हैं चाहे कम्प्यूटर, लैपटॉप मोबाइल फोन या फिर **l-pad** इत्यादि, और उसके अन्दर किसी भी एप्लीकेशन में कोई त्रुटि आ जाये अथवा वह स्पेस कम होने के कारण धीमे **response** करे तो हम तुरन्त उसे वायरस से प्रभावित मान बैठते हैं जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं।

### कैसे काम करता है ?

पैन ड्राइव में जब काम करते हैं तो कुछ वायरस (Vital Information Resources Under Seize) -

- ✓ फाइल या फोल्डर में छिपे रहते हैं और आपकी बिना सहमति के फाइलों को विकृत करने लगते हैं ।
- ✓ कुछ फाइलों व फोल्डरो को इस प्रकार प्रभावित करते हैं कि उन्हें delete भी नहीं कर पाते ।
- ✓ कोई अनजानी फोटो लगा icon आ जाता है ।
- ✓ किसी भी डिवाइस के ड्राइवर को गायब कर देते हैं
- ✓ USB port काम करना बन्द कर देती हैं ।
- ✓ अधिकांश वायरस या तो फाइलों को delete कर देते हैं या फिर उनका shortcut icon बना देते हैं

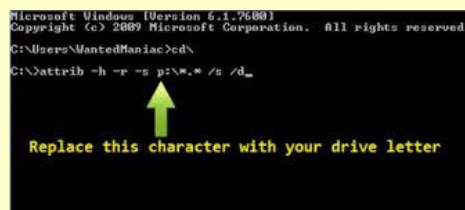
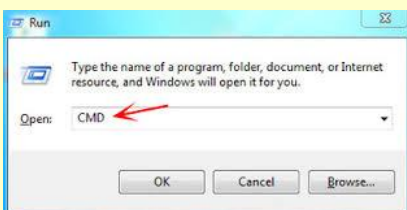
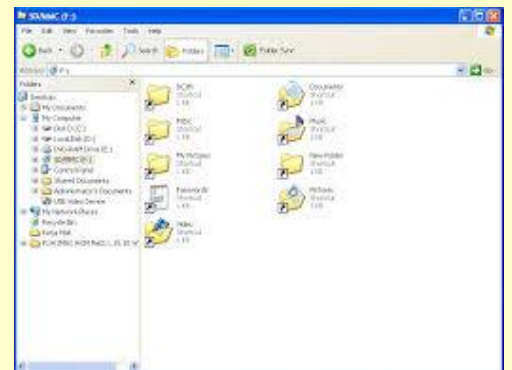
### उपाय

यदि strong anti virus program आपके कम्प्यूटर या लैपटॉप में है तब तो वह स्वतः समस्या हल कर देता है परन्तु कुछ लोग निःशुल्क मिलने वाले एंटी-वायरस को download कर लेते हैं जो साथ में 5-7 और अनाधिकृत software साथ लेकर आता है और स्थिति अन्त में format करने पर ही आ जाती है।

इसलिए बचाव के निम्न २ तरीके अपनाए जा सकते हैं :-

(क) यदि फाइलों या फोल्डर के shortcut बन गये हैं तो निम्न उपाय अपनाएं Search option में जाकर (.) dot टाइप करें। फाइल या फोल्डर तथा उनके अन्दर की फाइलें भी स्वतः खुलने लगेंगी।

(ख) यदि फाइलें व फोल्डर hidden हो गये हैं तो निम्न उपाय अपनाएं



चन्द्रशेखर शर्मा, सहा.कमा.  
उप कमा. (तकनीकी)

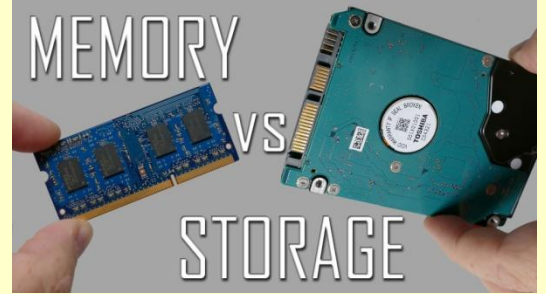
## मैमोरी व स्टोरेज (Memory Vs Storage)

क्योंकि मैमोरी और स्टोरेज दोनों की मापने की यूनिट **Byte** है इसलिए अधिकांश लोग इसमें अन्तर नहीं समझ पाते हैं। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति से अचानक पूछा जाये - कि आपने जो लैपटॉप खरीदा है, उसकी **Memory** कितनी है? यदि उत्तर मिले 500 GB या 1 TB तो समझ लेना चाहिए कि सामने वाले को सूचना प्रौद्योगिकी की ABC नहीं आती है। तो आइये आज हम इस विषय में संक्षेप में जानकारी लेते हैं।



### मैमोरी क्या है ?

कम्प्यूटर का **RAM (Random Access Memory)** ही वास्तव में मैमोरी कहलाती है जो डाटा को आपके सामने लाने, आपरेटिंग सिस्टम को लोड करने तथा **applications** को **run** करने में मदद करता है। इंटरनेट का उपयोग करने, सूचनाओं को लाने और ले जाने का कार्य **Primary Memory (RAM)** करती है। आपके सिस्टम की **performance** मैमोरी पर निर्भर करती है।



### स्टोरेज क्या है ?

**Storage**, कम्प्यूटर की सेकेन्डरी मैमोरी है जो एक प्रकार का **store house** है जिसमें आपरेटिंग सिस्टम, एप्लीकेशन तथा डाटा लम्बे समय तक रखा जा सकता है। जब हम **save** की गई किसी फाइल को **access** करते हैं तो **processor** उसे **store house** से निकाल कर **RAM** में लेकर आता है और आपको स्क्रीन पर दिखाता है।

### मैमोरी व स्टोरेज का तालमेल

जब कम्प्यूटर को स्टार्ट किया जाता है तो आपरेटिंग सिस्टम जो पहले से स्टोरेज में है, उसको प्रोसेसर मैमोरी में लाता है। परन्तु जब किसी फाइल को बनाते हैं चाहे वह MS-Word, MS Power Point, MS Excel या अन्य कोई, प्रारंभ में वह **RAM** में रहती हैं परन्तु जैसे ही फाइल को **Save** करते हैं वह स्टोरेज में चली जाती है। अर्थात् दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।

### मैमोरी व स्टोरेज में अन्तर (analogy)

आइये इन दोनों के अन्तर को बड़े ही आसान तरीके से समझने की कोशिश करते हैं - अपने कार्यालय में काम करने वाला क्लर्क जब मेज के सामने बैठता है तो कार्य करने के लिए आवश्यक सामग्री उसकी मेज पर होती है। फिर उसके पास -

- एक छुट्टी का आवेदन आता है तो वह अलमारी से **leave** की फाइल निकालता है और मेज पर रख लेता है।
- एक शिशु भत्ते का आवेदन आता है तो वह अलमारी से **CEA** की फाइल निकालता है और मेज पर रख लेता है।
- एक एल.टी.सी. का आवेदन आता है तो वह अलमारी से **LTC** की फाइल निकालता है और मेज पर रख लेता है।

इस प्रकार देखा जाये तो अलमारी, स्टोरेज (Hard Disc) तथा मेज, मैमोरी (RAM) की तरह कार्य करते हैं अर्थात् कह सकते हैं कि मेज का आकार जितना बड़ा होगा उतनी ज्यादा फाइल वह संभाल सकती है। इसीलिए RAM की **capacity** जितनी ज्यादा होगी, उतना बेहतर कम्प्यूटर का **performance** होगा।

### **अनमोल शब्द**

जरा मुस्कराना भी सिखा दे जिन्दगी, रोना तो पैदा होते ही सीख लिया था।

निरी/तक. अशोक कुमार चौहान  
तकनीकी समवाय/5 सिगनल बटॉ10

## Types of Network (नेटवर्क के प्रकार)



### LAN (Local Area Network) :-

इसका पूरा नाम Local Area Network है यह एक ऐसा नेटवर्क है जिसका प्रयोग दो या दो से अधिक कंप्यूटर को जोड़ने के लिए किया जाता है। लोकल एरिया नेटवर्क स्थानीय स्तर पर काम करने वाला नेटवर्क है इसे संक्षेप में लेन कहा जाता है। यह एक ऐसा कंप्यूटर नेटवर्क है जो स्थानीय इलाकों जैसे- घर, कार्यालय, या भवन समूहों को कवर करता है।

#### विशेषताये:-

- यह एक कमरे या एक बिल्डिंग तक सीमित रहता है |
- इसकी डाटा हस्तांतरित (Data Transfer) Speed अधिक होती है |
- इसमें बाहरी नेटवर्क को किराये पर नहीं लेना पड़ता है |
- इसमें डाटा सुरक्षित रहता है |
- इसमें डाटा को व्यवस्थित करना आसान होता है



### MAN (Metropolitan Area Network) :-

इसका पूरा नाम Metropolitan Area Network है यह एक ऐसा उच्च गति वाला नेटवर्क है जो आवाज, डाटा और इमेज को 200 मेगाबाइट प्रति सेकंड या इससे अधिक गति से डाटा को 75 कि.मी. की दूरी तक ले जा सकता है। यह लेन (LAN) से बड़ा तथा वेन (WAN) से छोटा नेटवर्क होता है | इस नेटवर्क के द्वारा एक शहर को दूसरे शहर से जोड़ा जाता है |

इसके अंतर्गत दो या दो से अधिक लोकल एरिया नेटवर्क एक साथ जुड़े होते हैं. यह एक शहर के सीमाओं के भीतर का स्थित कंप्यूटर नेटवर्क होता है. राउटर, स्विच और हब मिलकर एक मेट्रोपोलिटन एरिया नेटवर्क का निर्माण करता है।

#### विशेषताये:-

- इसका रखरखाव कठिन होता है |
- इसकी गति उच्च होती है |
- यह 75 कि.मी. की दूरी तक फैला रहता है |

### WAN (Wide area Network) :-

इसका पूरा नाम Wide Area Network होता है | यह क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा नेटवर्क होता है। यह नेटवर्क न केवल एक बिल्डिंग, न केवल एक शहर तक सीमित रहता है बल्कि यह पूरे विश्व को जोड़ने का कार्य करता है अर्थात् यह सबसे बड़ा नेटवर्क होता है इसमें डाटा को सुरक्षित भेजा और प्राप्त किया जाता है |

इस नेटवर्क में कंप्यूटर आपस में लीड लाइन या स्विच सर्किट के द्वारा जुड़े रहते हैं. इस नेटवर्क की भौगोलिक परिधि बड़ी होती है जैसे पूरा शहर, देश या महादेश में फैला नेटवर्क का जाल. इंटरनेट इसका एक अच्छा उदाहरण है. बैंको का ATM सुविधा वाईड एरिया नेटवर्क का उदाहरण है.

## सुविचार

जीवन में सिर्फ दो ही लोग असफल होते हैं, एक वो, जो सोचते हैं पर करते नहीं, दूसरे जो करते हैं पर सोचते नहीं ।

उप निरी/तक. इन्द्र कुमार  
तकनीकी समवाय/5 सिगनल बटा0

## एक हार , एक जीत



अब हार के भी हार नहीं  
अब मझधार भी मझधार नहीं,  
अब क्रोध में भी ललकार नहीं,  
अब प्रेम में भी पुचकार नहीं,  
अब सत्य में संसार सभी ।  
अब ढोंग का व्यवहार नहीं,  
अब व्यंग्य में भी वो धार नहीं,  
अब ग्लानि का विचार नहीं,  
अब रक्त का संचार नहीं,  
अब श्वास में खनकार नहीं,

अब राह नई मोड़ूंगा,  
अब तिनके तिनके को तोड़ूंगा,  
अब हर लम्हे में बीतूंगा,  
अब हर रण में मैं जीतूंगा ।  
क्योंकि.....?  
अब हार के भी हार नहीं..... ।

निरी./मं प्रकाश चन्द्र जोशी  
5 सिगनल बटालियन

## स्वास्थ्य



### मसाले व उनके लाभ

हमारे आहार में मसाले खाने के नुकसान भी हैं और लाभ भी ।  
तो आइये ऐसे मसालों के बारे में जानें जिनका भोजन में प्रयोग  
करना सेहत के लिए हितकारी होता है :-

मसाला	प्रयोग	लाभ
हिंग	आमतौर पर खाना बनाने में तथा औषधि के रूप में प्रयोग होता है ।	इसके सेवन से काली खांसी व पेट दर्द में आराम मिलता है ।
तेज पत्ता	भोजन में स्वाद बढ़ाने के लिए प्रयुक्त होता है ।	इसके अन्दर एंटी फंगल व एंटी-बैक्टीरियल गुण विद्यमान हैं ।
छोटी इलायची	अधिकांश रूप से मीठे भोजन में या आयुर्वेदिक औषधि के लिए उपयोग की जाती है ।	सांसो की दुर्गन्ध व भोजन पाचन में सहायक है । पूरी इलायची चबाने से मधुमेह में राहत मिलती है ।
लाल मिर्च	भोजन में गर्म स्वाद व चटपटा बनाने के लिए प्रयोग होती है ।	एंटी-आक्सीडेंट का काम करती है साथ ही कैलोरी जलाने में भी सहायक है ।
दाल चीनी	गर्म मसाले का मुख्य अवयव है ।	प्राकृतिक तौर पर शरीर में इंसुलिन बनाता है तथा कोलेस्ट्रॉल कम करता है ।
लौंग	गर्म मसाले का मुख्य अवयव है ।	छांत व मसूड़ों को स्वस्थ रखती है तथा सर्दी खांसी में भी राहत देती है ।
मेथी	खाने में हरे पत्ते तथा बीज दोनों उपयोग होते हैं	यह मधुमेह व कालेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखती है ।
हल्दी	भोजन का मुख्य अवयव है आयुर्वेदिक औषधि के रूप में प्रयुक्त होती है ।	घाव भरने में,त्वचा संबंधी रोगों में व मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए सहायक है ।

सूबेदार मेजर नन्द राम  
5 सिगनल बटालियन

## ठहाका

पत्नी (पति से) : मेरे तो करम फूट गये जो आपसे शादी करनी पड़ी ।  
पति : क्यों ? ऐसा क्यों ?  
पत्नी (पति से) : मेरे लिए एक से एक काबिल लड़को के रिश्ते आ रहे थे ।  
पति : बिल्कुल ठीक कहा तुमने, वास्तव में, वे सब काबिल ही थे जो इस बला से बच निकले ।



# क्विज टाइम

मार्च अंक के सही उत्तर भेजने वाले कार्मिक :-

1. हव./रेडियो आपरेटर एम. सुरेश - बी/5 बेतार वाहिनी
2. हव./रेडियो आपरेटर राजेश कुमार - बी/5 बेतार वाहिनी

1. इन्हें पहचानिए :-

(क)



(ख)



(ग)



(घ)



(ङ.)



2. इसे हल कीजिए :-

$$3, 4, 2 = 11$$

$$4, 5, 3 = 18$$

$$5, 6, 4 = 27$$

$$6, 7, 5 = 38$$

$$7, 6, 8 = ?$$

मार्च अंक के सही उत्तर भेजने वाले कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र भेजे जा रहे हैं । आप अपने उत्तर अतिशीघ्र निम्न ई-मेल पर भेजें :-

[hq5sigbn@crpf.gov.in](mailto:hq5sigbn@crpf.gov.in)

**अनमोल शब्द**

दुश्मन बनाने के लिए जरूरी नहीं कि लड़ा जाये। आप थोड़े से कामयाब हो जाओ,  
दुश्मन आप को खैरात में मिलेंगे।

\*\*\*\*\*